क्रायो-बॉर्न बेबी कोरल

[स्रोत: ओसियनोग्राफिक मैगज़ीन](#)

विश्व के पहले **क्रायो-बॉर्न बेबी कोरल** को [ग्रेट बैरियर रीफ](#) में सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया है, [जो कोरल / प्रवाल पुनरुद्धार](#) और **उनके संरक्षण** में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

- **ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने ग्रेट बैरियर रीफ** से एकत्रित **क्रायोप्रिज़र्व्ड शुक्राणुओं** से **कोरल एग्स को** निषचित करने के लिये अत्याधुनिक **क्रायोप्रिज़र्वेशन का उपयोग किया।**
  - वैज्ञानिकों ने कोरल को **राष्ट्रीय समुद्री सिम्युलेटर में उगाया और फिर उन्हें** रीफ / भित्ति पर विशेष रूप से डिज़ाइन किये गए **कोरल क्रेडल्स' में हस्तांतरित कर दिया।**
- इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और बढ़ते **समुद्री तापमान से भित्तियों के संरक्षण के लिये** [ताप-सहिष्णु प्रवाल](#) विकसित करना है।
- **ऑस्ट्रेलिया** स्थित क्रायोडायवर्सिटी **बैंक के पास 32 प्रजातियों के फ्रोज़ेन कोरल शुक्राणुओं का** विश्व का सबसे बड़ा संग्रह है, जिसे वर्ष 2011 से प्रतिवर्ष एकत्र किया जाता है।
- **कोरल रीफ / प्रवाल भित्तियाँ:** प्रवाल एन्थोज़ोआ **वर्ग, *?????????? ???*** से **संबंधित अकशेरुकी हैं।**
  - **रीफ का निर्माण पॉलिप्स की कॉलोनियों** द्वारा होता है, जो **चूना पत्थर के कंकालों का स्राव करते हैं** और पोषण हेतु **सहजीवी शैवाल (ज़ूक्सैन्थेला) पर निर्भर रहते हैं।**
- **सॉफ्ट कोरल** ऐसी प्रजातियाँ हैं, जो कोरल रीफ निर्माण के लिये ज़रूरी कैल्शियम**कार्बोनेट कंकाल का उत्पादन नहीं करती हैं।** केवल **कठोर कोरल ही** रीफ का निर्माण करते हैं।

प्रवाल भित्ति
Coral Reef

प्रवाल

- जल के नीचे पाई जाने वाली वृहद् संरचनाएँ- समुद्री अकशेरूकीय 'प्रवाल' के कंकालों से निर्मित व्यक्तिगत रूप से पॉलीप कहलाती हैं।
- शैवाल ज़ूज़ैन्थेले के साथ सहजीवी संबंध (मूंगों के सुंदर रंगों के लिये ज़िम्मेदार)
- समुद्री जैव विविधता का 25% से अधिक

हार्ड कोरल बनाम सॉफ्ट कोरल

हार्ड कोरल	कठोर एक्सोस्केलेटन जो कि कैल्शियम कार्बोनेट से बनता है- भित्ति के निर्माण के लिये जिम्मेदार
सॉफ्ट कोरल	भित्ति का निर्माण नहीं करता है

ग्रेट बैरियर रीफ (ऑस्ट्रेलिया)

- दुनिया में सबसे बड़ा कोरल रीफ
- विश्व धरोहर स्थल (1981)
- व्यापक प्रवाल विरंजन

भारत में प्रवाल

- कच्छ की खाड़ी
- मन्नार की खाड़ी
- अंडमान और निकोबार
- लक्षद्वीप द्वीप समूह
- मालवन के क्षेत्रों में मौजूद

महत्त्व

- प्रवाल भित्तियाँ तूफान/क्षरण से तटरेखाओं की रक्षा करती हैं रोजगार प्रदान करती हैं, मनोरंजन के लिये भी उपयोगी हैं।
- भोजन/दवाओं का स्रोत

प्रवाल विरंजन (कोरल ब्लीचिंग)

- प्रवालों पर तनाव बढ़ता है, अपने ऊतकों में निवास करने वाले सहजीवी शैवाल ज़ूज़ैन्थेले को निष्कासित कर देते हैं और प्रवाल सफेद रंग में परिवर्तित हो जाते हैं।
- विरंजित प्रवाल- मृत नहीं लेकिन भुखमरी/बीमारी से ग्रस्त

और पढ़ें...

[वशिव की सबसे बड़ी गहरी सागरीय कोरल रीफ]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cryo-born-baby-corals